



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I),
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 362]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 16, 1985/श्रावण 25, 1907

No. 362]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 16, 1985/SRAVANA 25, 1907

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1985

अधिसूचना

सं० 263-सीमा-शुल्क/85

सा.का.नि. 659 (इ).—केन्द्रीय सरकार सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपबंध में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है) जब उसका भारत में आयात, भारत से बाहर निर्यात के लिए माल का उत्पादन करने के लिये या भारत के बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैक करने के संबंध में उसका उपयोग करने के लिए या मद्रास निर्यात प्रसंस्करण जौन (जिसे इसमें इसके पश्चात् जौन कहा गया है), जिसमें पैरा 4 में विनिर्दिष्ट

सर्वेक्षण संख्यांक समाविष्ट है और जो उस पैरा में दी गई सीमाओं में घिरा है, के भीतर यूनिटों द्वारा ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के लिए किया जाए सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा-शुल्क और पश्चात्बर्ती वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) आयातकर्ता को उस जौन में विनिर्माण करने वाले एक यूनिट या यूनिटों को स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (2) आयातकर्ता को माल का आयात करने के लिए आवश्यक अनुशक्ति मंजूर की गई है;
- (3) आयातकर्ता विकास आयुक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए माल का उत्पादन

करने या पैक करने या माल के निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में किया जाएगा।

- (4) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी रकम के लिए जो जौन विकास आयुक्त द्वारा विहित की जाए, एक बंधपत्र निष्पादित करने के लिए करार करता है जिसमें वह निर्यात बाध्यताओं का पालन करने और अन्य बातों के साथ साथ इस अधिसूचना में अनुबंधित शर्तों का पालन करने के लिए स्वयं को आबद्ध करता है।

- (5) आयातकर्ता करार करता है कि वह :

(क) माल जौन में लाएगा और जौन के अन्दर उसका उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए माल का उत्पादन करने या पैक करने या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में करेगा;

(ख) इस प्रकार उत्पादित या पैक किए गए सभी माल या यथास्थिति भारत से बाहर निर्यात करेगा या कर्मकारों की प्रशिक्षण देने के लिए ऐसे माल का उपयोग करेगा या ऐसे माल (या पैकेजों) का उक्त जौन में विक्रय करेगा;

(ग) ऐसे उत्पादन या पैक करने से प्रोबभूत सभी अवधिष्ठों का जौन के विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदित रीति से निर्यात या व्ययन करेगा।

- (6) आयातकर्ता माल के आयात, उपयोग और उपयोग का उसके द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा समय समय पर विकास आयुक्त को ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति से प्रस्तुत करेगा जो उक्त आयुक्त द्वारा अधिकृत की जाए।

- (7) आयातकर्ता, मांग की जाने पर :

(क) ऐसे माल पर जो ऐसा पूंजी माल है जिसके बारे में सीमा शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल :—

- (1) जौन के अन्दर स्थापित या अस्थायी प्रयुक्त किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमा शुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि जौन के भीतर उनका उपयोग न किए जाने या उक्त अवधि के भीतर उनका पुनः निर्यात न जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है।

- (2) संस्थापन के पश्चात् जौन के भीतर प्रतिधारित किया गया है या जौन के भीतर उपयोग किया है ;

- (ख) पूंजी माल से भिन्न ऐसे माल पर जिसके बारे में सीमा शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल,—

- (1) भारत के बाहर निर्यात के लिए उत्पादन करने या (जौन के भीतर) माल पैक करने के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में उपयोग किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमा शुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उनका उपयोग न किए जाने या उनका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है ;

- (2) माल के निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में जौन के भीतर प्रतिधारित किया गया है।

- (ग) इस प्रकार उत्पादित या पैक किए गए ऐसे माल पर जिसे भारत के बाहर निर्यात नहीं किया गया है या ऐसे अप्रयुक्त माल पर [जिसके अन्तर्गत ऐसे खाली टांचे (फोन) फिरकी और पात्र, यदि कोई हो, आते हैं जो बार बार उपयोग के लिए उपयुक्त हों] जो ऐसे माल के निर्यात की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमा शुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे माल का निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, निर्यात नहीं किया गया है।

उद्धरणिय शुल्क के बराबर की रकम का संदाय करेगा।

- (8) सीमा शुल्क कलक्टर ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह अधिकृत करे, किसी आयातित माल या विनिर्मित या वहां पैक किए गए माल की मरम्मत, उसका प्रसंस्करण करने या उसका प्रदर्शन करने के लिए शुल्क के संदाय को बिना अस्थाई रूप से जौन से बाहर ले जाने की

आज्ञा दे सकेगा और आयातकर्ता ऐसी शर्तों और निर्बंधनों का पालन करने के लिए आबद्ध होंगे ;

(9) सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए निम्नलिखित माल की बाबत शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं होगा, अर्थात् :—

(क) ऐसा माल जो आयातकर्ता उसके कर्मचारी या अभिकर्ता के जानबूझकर किए गए कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण से अन्यथा खोया या नष्ट हुआ है ;

(ख) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता उसके कर्मचारी या अभिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण से अन्यथा नुकसान या अवक्षयण हुआ है और इसलिए जौन के भीतर माल के उत्पादन या पैक किए जाने के लिए प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है ;

(ग) ऐसे उत्पादन के अनुक्रम में उत्पादन होने वाला स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ, यदि ऐसा स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ ऐसी सीमा के भीतर है जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे और जो जौन के भीतर नष्ट किया जाए ;

(घ) जौन में उत्पादित या पैक किए गए माल के ऐसे नमूने जिनके सीमा-शुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, परीक्षण के लिए जौन से बाहर भेजने की अनुज्ञा दे और जो ऐसे परीक्षण के दौरान उपयुक्त हो जाए ;

(ङ) जौन के भीतर अध्ययन या डिजाइन के लिए आयातित माल के नमूने, जो विनिर्माण संक्रियाओं के दौरान टूट गए हैं और जिनका वाणिज्यिक मूल्य तुच्छ हो गया है ;

(च) ऐसा माल, जिसका जौन के भीतर कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रयोग किया जाए या जौन के भीतर किसी विनिर्माता द्वारा जौन के भीतर किसी अन्य विनिर्माता को ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए और ऐसे बन्धपत्र के निष्पादन पर जो सीमा-शुल्क कलक्टर इस बात को सुनिश्चित करने के लिए विहित करे कि इस प्रकार विप्रेषण किया गया माल भारत से बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैक करने के सम्बन्ध में या माल के ऐसे निर्यात का संश्लेषण करने में प्रयोग किया जाएगा ;

(छ) जौन के भीतर विनिर्माता माल और जो सम्मत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए अस्थायी रूप से जौन से बाहर ले जाने के लिए अनुज्ञात है ।

(2) निम्नलिखित माल की बाबत निर्यात के रूप में पूर्ववर्ती पैरा की शर्त (6) के अधीन लेखा देने के लिए अपेक्षा नहीं की जाएगी, अर्थात् :—

(क) (i) ऐसा माल जिसका, आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अभिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम से अन्यथा, नुकसान या क्षय हुआ है और इसलिए जो जौन के भीतर नष्ट उत्पादन में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है, यदि ऐसा माल जौन के भीतर नष्ट हो हुआ है या जिसको भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए ऐसे शुल्क के बराबर संवाय पर जो माल पर उद्ग्रहीत होता है, यदि माल ठीक बरा में आयातित किया गया होता ; जौन से निकासी की जाती, या

(ii) जौन के भीतर माल के उत्पादन के दौरान प्रोद्भूत ऐसा स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ जो यदि जौन के भीतर नष्ट हो जाए अथवा जिसको भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए ऐसे शुल्क के बराबर संवाय पर जो माल पर उद्ग्रहीत होता, यदि उस रूप में आयातित किया गया होता, जौन से निकासी की जाती :

परन्तु यदि स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ की प्रतिशतता भारत सरकार के वाणिज्य संवलय की अधिसूचना सं. 14/73/82 ई पी जेड, तारीख 4-1-1985 द्वारा नियुक्त मात्रास नियति प्रसंस्करण जौन बोर्ड द्वारा नियत की गई प्रतिशतता से अधिक हो जाती है तो मूल माल पर, जिससे स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ प्रोद्भूत हुआ है, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर शुल्क, अधिक मात्रा पर प्रसारित किया जाएगा ।

(ख) बार-बार उपयोग किए जाने के लिए उपयुक्त खाली कोन, किरकियां या पात्र, जिनके ऐसे माल के भारत में आयात करते समय उन पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर शुल्क का संवत्त करके भारत के किसी अन्य भाग में उसके उपयोग किए जाने के लिए जौन से निकासी की गई है ;

(ग) जौन के भीतर माल के उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाली खिचियां, कागज की कतरनें और अपशिष्ट पैकिंग सामग्री, जब उसे जौन के सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किसी सीमा शुल्क अधिकारी के अधीक्षण में नष्ट किया जाता है ।

(3) इस अधिसूचना में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी इसमें बी गई छूट उस माल को भी लागू होगी जिसका

भारत में आयात किए जाने पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित उत्पाद शुल्क माल के उत्पादन या विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में प्रयोग किया जाता है भले ही उनका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता किन्तु भारत में किसी अन्य स्थान को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद शुल्क माल पर उच्चगृहणीय उत्पाद शुल्क का संवाय करके समय-समय पर यथासंशोधित आयात और निर्यात नीति के उपाबंध 15 मार्च 1985 अर्थात् 1988 की पुस्तक (भाग 1) के अधीन और उसके अनुसार तथा ऐसी मात्रा तथा अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो विनिर्दिष्ट की जाए जाया जाता है।

4. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ जोन में तमिलनाडू के चंगलपट्ट जिले के संवापेट तालुक के कावापेड़ी गांव के सर्वेक्षण सं. 132/1क2, 1ख2, 134/1, 2, 3ख, 135/2, 143/2क, 144/1, 145, 146/1, 147/1 और 164/1 (भाग) समाविष्ट हैं। यह मद्रास पत्तन से 24 कि. मी. की दूरी पर और मद्रास राष्ट्रीय वायु पत्तन से 6 कि. मी. और मद्रास अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन से 8 कि. मी. की दूरी पर स्थित है और स्थान की बसा पर निर्भर रहते हुए 3.25 मीटर से 3.85 मीटर तक की ऊंची इंटों से चिनी बीवार से आवेष्टित हैं, क्षेत्र के उत्तरी पश्चिमी किनारे से "वाई" के कोण के 1.2 मीटर ऊंची कंटीली तारों की और बाड़ लगाई गई है, जो 258 मीटर तक उत्तर पूर्व की ओर जाती है फिर दक्षिण में मुड़कर 1045.2 मीटर जाती है और तब पूर्व की ओर मुड़कर 18 मी. तक जाती है और उत्तर पूर्व की ओर 262 मीटर की दूरी तक, उत्तर की ओर 70.8 मीटर तक मुड़ती है, पूर्व की ओर 157.7 मीटर तक, दक्षिण की ओर 154 मीटर जाती है और पूर्व की ओर मुड़कर 227 मीटर और दक्षिण की ओर 96 मीटर जाती है, पूर्व की ओर मुड़कर 72 मीटर तक जाती है। तब यह मुख्य पी. एस. टी. रोड के समांतर 86.4 मीटर तक दक्षिण की ओर जाकर उत्तर पूर्व में बूस्टर स्टेशन तक जाती है और वहां से पश्चिम की ओर 30 मीटर जाती है, तब दक्षिण की ओर मुड़कर बूस्टर स्टेशन के चारों ओर 30 मीटर तक जाती है और पश्चिम की ओर मुड़कर 200 मीटर तक जाती है उत्तर की ओर 41 मीटर जाती है पश्चिम की ओर 99.8 मीटर जाती है, उत्तर की ओर 82.6 मीटर पूर्व की ओर 304.4 मीटर तक उत्तर की ओर 111 मीटर तक और पश्चिम की ओर 34 मीटर तक जाती है, इस प्रकार इंटों से बनी अहाता बीवार की कुल परिधि 3379.9 मीटर है।

उपाबंध

क्रम सं.	माल का वर्णन
1	2
1.	मशीनरी ।
2.	कच्ची सामग्री ।

- | | |
|-----|--|
| 1 | 2 |
| 3. | संघटक । |
| 4. | मशीनरी के फालतु पुर्जे । |
| 5. | खपने वाली सामग्री । |
| 6. | पैक करने की सामग्री । |
| 7. | कार्यालय उपकरण, फालतु पुर्जे और उनकी खपने वाली सामग्री । |
| 8. | विदेशी कंता के परिवान लेने में असफल होने के कारण या मरम्मत के लिए जोन से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल । |
| 9. | औजार किंग, गेज, फिक्सचर और उपसाधन । |
| 10. | विकास और विविधता के लिए आद्यप्रारूप, तकनीकी और व्यापार नमूने । |
| 11. | ड्राइंग, ब्लूप्रिंट और चार्ट । |

[सं. 263 सीमा शुल्क/85—फा. सं. 305/84/85-एफ टीटी]
मुनिल कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th August, 1985

No. 263-CUSTOMS/85

G.S.R. 659(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the production of goods for exports out of India or for being used in connection with the production or packaging of goods for exports out of India or for the promotion of such exports by units within the Madras Export Processing Zone (hereinafter referred to as the Zone) comprising of places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified in paragraph 4, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the Zone;
- (2) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;
- (3) the importer satisfies the Development Commissioner that the goods so imported will be used in connection with the production or packaging of goods for export

out of India or with the promotion of such exports of goods;

- (4) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations, and to fulfil, inter-alia, the conditions stipulated in this notification;

(5) the importer agrees :—

- (a) to bring the goods into the Zone and use them within the Zone in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
 - (b) to export out of India, all goods so produced or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods (or packages) within the said Zone, as the case may be;
 - (c) to export or dispose of in the manner approved by the Development Commissioner of the Zone, all removals arising out of such production or packaging;
- (6) the importer shall maintain a proper account of import consumption and utilisation of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner, in such form and in such manner as may be laid down by the said Commissioner;
- (7) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable :—
- (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - (i) installed or otherwise use within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the Zone after installation or use inside the Zone;
 - (b) on goods other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - (i) used in connection with the production or packaging of goods (within the Zone) for export out of India or

with the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;

(ii) retained within the Zone in connection with the promotion of export of goods;

- (c) on goods so produced or packaged as have not been exported out of India and on unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if any suitable for repeated use) as have not been exported, within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Collector of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;
- (8) the Collector of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him permit any goods imported or goods produced or packaged therefrom to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display and the importers shall be bound to comply with such conditions and limitations;
- (9) subject to the satisfaction of the Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—
- (a) goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent;
 - (b) goods damaged or deteriorated not due to any wilful Act, negligence or default of the importer, his employee or agent and, therefore, not suitable for use in the production of goods or packaging within the Zone;
 - (c) scrap or waste material arising in the course of such production if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government and destroyed within the Zone;
 - (d) samples of goods produced or packaged in the Zone which are allowed by the Collector of Customs to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;

- (e) samples of goods imported for study or design within the Zone, which, in the course of manufacturing operations, have been broken up and rendered insignificant in commercial value;
- (f) goods used for imparting training to workers within the Zone or goods sold by a manufacturer within the Zone to another manufacturer inside the Zone subject to such conditions, and the execution of such bonds, as may be specified by the Collector of Customs for ensuring that the goods so sold will be used in connection with the production or packing of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods;
- (g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, proceeding or display.

(2) The following goods will not be required to be accounted for under condition (6) of the preceding paragraph by way of export, namely :—

- (a) (i) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence, or default of the importer, his employee or agent and therefore not suitable for use in the production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in sound condition; or
- (ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the Zone if destroyed within the Zone or if cleared of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in that form :

Provided that if the percentage of scrap or waste material arising in the course of production or packaging of the said goods exceeds the percentage fixed in this regard by the Madras Export Processing Zone Board appointed by the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 14/13/82-EPZ, dated the 4th January, 1985, the duty equal to that leviable on the other material, out of which the said scrap or waste material has arisen, shall be charged on the excess quantity.

- (b) empty cones, bobbins or containers, suitable for repeated use, and cleared from the Zone

for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on such goods at the time of their importation into India;

- (c) chindies, paper cuttings and the waste packing material arising in the course of production of goods within the Zone, when destroyed under the supervision of an officer of customs in accordance with the procedure specified in this behalf by the Collector of Customs of the Zone.

(3) Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods produced or manufactured within the Zone and such excisable goods even if not exported out of India, but brought to any other place in India, under and in accordance with Appendix 15 of the Import & Export Policy Book for March 1985 to April 1988 (Vol. I) as amended from time to time, and subject to the quantity and such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Export Commissioner of the said zone on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

4. For the purpose of this notification the Zone shall comprise Survey Numbers 132/1A2, 1B2, 134/1, 2, 3B, 135/2, 143/2A, 144/1, 145, 146/1, 147/1 and 164/1 (part) of Kadapperi Village of Saidapet Taluk, Chengalpattu District of Tamilnadu lying at a distance of 24 kms. from the Port of Madras and 6 kms from Madras National Air Port and 8 Kms. from Madras Inter-National Air Port, enclosed by masonry brick wall to a height varying from 3.35 metres to 3.85 metres depending upon the site condition with 'Y' angle barbed wire fencing to a further height of 1.2 metres extending from the Northwest corner of the area, which runs up to 258 metres towards North East, takes a turn towards South upto 1045.2 metres and takes a turn towards East 18 metres and North East to a distance of 262 metres, towards North 70.8 metres, turns towards East 157.7 metres, runs towards South 154 metres and turns towards East 227 metres, runs towards South 96 metres, turns towards East by 72 metres. Then it further runs parallel to the main G.S.T. Road, by 86.4 metres towards South upto North East to Booster Station and runs towards West 30 metres, turns towards South for 30 metres around the Booster Station and turns towards West upto 200 metres, runs towards North 41 metres, towards West by 99.8

metres, towards North by 82.6 metres, towards East by 304.4 metres, towards North by 111 metres and towards West by 34 metres, covering a total circumference of 3,379.9 metres of brick compound wall.

THE ANNEXURE

Sl. No.	Description of Goods.
1.	2
1.	Machinery.
2.	Raw materials.
3.	Components.
4.	Spare parts of machinery.
5.	Consumables.

1	2
6.	Packaging materials.
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.
8.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.
9.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures and Accessories.
10.	Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.
11.	Drawings, Blueprints and charts.

[No. 263 Customs|85-F. No. 305|84|85-FTT]

SUNIL KUMAR, Under Secy.

